क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रेस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक

क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 02 अंक: 114, सोमवार, 20 मई, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

तृणमूल ने की मोदी की धार्मिक यात्राओं की शिकायत, आचार संहिता का उल्लंघन

नई दिल्ली । तृणमूल कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की केदारनाथ यात्रा के दौरान हुए भाषण और उसके टीवी कवरेज को आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन बताते हुए चुनाव आयोग से इसकी शिकायत की है। राज्यसभा में तृणमूल के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा को रविवार को पत्र लिखकर इसकी शिकायत की है। ब्रायन ने पत्र में लिखा है कि 17 मई को चुनाव प्रचार समाप्त हो गया लेकिन दो दिन से टीवी वाले मोदी की केदारनाथ-बदरीनाथ यात्रा को प्रसारित कर रहे हैं। मोदी ने टीवी के सामने प्रेस को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि केदारनाथ का मास्टर प्लान तैयार है। आज अंतिम चरण के मतदान के दिन मतदाताओं को लुभाने के लिए यह सब करना आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है। इसलिए चुनाव आयोग को इस मामले में कार्रवाई करनी चाहिए। बता दें कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी के बीच कड़ा चुनावी मुकाबला है। आखिरी राउंड में बंगाल की 9 सीटों पर मतदान हो रहा है। दोनों दलों के बीच हिंसा के चलते चुनाव आयोग ने यहां प्रचार के समय को एक दिन कम कर दिया था। बीते मंगलवार को बीजेपी चीफ अमित शाह के रोड शो के दौरान दोनों दलों के कार्यकर्ताओं में भिड़ंत हो गई थी। इसके बाद फैली हिंसा में समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर की प्रतिमा तोड़ दी गई थी, जिस पर काफी विवाद हुआ था।

आज दिल्ली में मायावती, राहुल-सोनिया गांधी से करेंगी मुलाकात

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती सोमवार को यहां संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की प्रमुख सोनिया गांधी तथा कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात करेंगी। कांग्रेस सूत्रों ने आज यहां बताया कि मायावती सोमवार को लखनऊ से दिल्ली पहुंचेगी। भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ मोर्चा बनाने तथा चुनाव परिणाम आने के बाद केंद्र में सरकार के गठन की संभावनाओं पर विचार करने के लिए संप्रग प्रमुख से मायावती की इस मुलाकात को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों की एकजुट करने में तेलुगु देशम पार्टी के प्रमख तथा आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्र बाबू नायडु अहम लगातार प्रयास कर रहे हैं। इस क्रम में रविवार को पहली बार उन्होंने संप्रग प्रमुख सोनिया गांधी से मुलाकात की। इससे पहले दिन में वह कांग्रेस अध्यक्ष के साथ ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार तथा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव से भी मिले थे। नायडु ने शनिवार को भी गांधी, पवार तथा येचुरी से मुलाकात की थी। शनिवार को वह आम आदमी पार्टी के प्रमुख तथा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से भी मिले थे। उसके बादवह लखनऊ पहुंचे जहां उन्होंने समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव तथा बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती से बातचीत की।

भाजपा

मोदी ने 70 दिन में की 142 रैलियां, 40 फीसदी उप्र, बंगाल, ओडिशा में, 143 सीटें

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान 142 रैलियां कीं, जिसमें चार रोड शो शामिल हैं. कुल रैलियों में से 40 फीसदी रैलियां उन्होंने उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में की. इन तीनों राज्यों में लोकसभा की कुल 143 सीटें हैं. प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के मेरठ से अपने चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत की थी और मध्य प्रदेश के खरगोन में इसका समापन किया. मोदी ने चार रोडशो भी किए और आखिर में एक संवादाता सम्मेलन में भी शामिल हुए. प्रधानमंत्री ने सबसे ज्यादा 29 रैलियां उत्तर प्रदेश में कीं. इसके बाद तृणमूल कांग्रेस शासित पश्चिम बंगाल में 17 और बीजद शासित ओडिशा में आठ रैलियां कीं. वर्ष 2014 लोकसभा चुनाव में भाजपा ने उत्तर प्रदेश में भारी जीत दर्ज की थी और 80 में 71 सीटें जीती थी. बंगाल में 42 सीटों में से भाजपा को केवल दो मिली थीं और ओडिशा में 21 सीटों में से एक सीट मिली थी। प्रधानमंत्री ने इस बार यूपी में सबसे ज्यादा समय इसलिए दिया, क्योंकि वहां दो चिरप्रतिद्वंद्वी समाजवादी पार्टी (सपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) ने गठबंधन कर लिया है और इससे माना जा रहा है कि इस बार भाजपा के लिए यहां राह आसान नहीं होगी. बीजेपी पश्चिम बंगाल और ओडिशा में अपना नंबर दुरुस्त करना चाहती है और इसीलिए प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के बाद इन दोनों राज्यों में सबसे ज्यादा रैलियां कीं. प्रधानमंत्री और भाजपा का कहना है कि पश्चिम बंगाल की मदद से पार्टी 300 से ज्यादा सीटें हासिल करेगी, लेकिन एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर आईएएनएस से कहा कि पश्चिम बंगाल में आक्रामक प्रचार से पार्टी को उम्मीद है कि बहुमत हासिल हो जाएगा. भाजपा नेता ने कहा, पार्टी को उम्मीद थी कि उत्तर प्रदेश में कम से कम 60 सीटें मिलेंगी, लेकिन ऐसा लग नहीं रहा. इसे महसूस करते हुए ही पार्टी नेतृत्व ने पश्चिम बंगाल में आक्रामक प्रचार किया. पार्टी पिछले दो सालों से पश्चिम बंगाल और ओडिशा में अपनी रणनीति बनाने में जुटी थी. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने कई नेताओं शिव प्रकाश, सौदान सिंह और अरविंद मेनन को वहां भेजा था. भाजपा के एक नेता ने आईएएनएस से कहा कि हिंदी पट्टी के तीन राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में विधानसभा चुनावों में पराजय के बाद पार्टी ने संघ के जमीनी कार्यकर्ताओं को इन दोनों राज्यों में नियुक्त किया था. उन्होंने कहा, इन दोनों राज्यों में पार्टी का लक्ष्य कम

के कम 30 सीटों का है. इन राज्यों के अलावा मोदी ने बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक और गुजरात में कुल मिलाकर 50 रैलियां कीं. इन छह राज्यों में लोकसभा की 196 सीटें हैं, जिनमें से भाजपा ने पिछले चुनाव में 150 जीती थी. सहयोगी दलों के साथ उसने वर्ष 2014 में 167 सीटों पर जीत दर्ज की थी.

दिल्ली भाजपा ने की पुलिस प्रमुख से केजरीवाल के सुरक्षा कवर की समीक्षा की मांग

नई दिल्ली। भाजपा की दिल्ली इकाई ने रविवार को पुलिस आयुक्त से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सुरक्षा कवर की समीक्षा की मांग की। एक दिन पहले ही केजरीवाल ने आरोप लगाया था कि उनकी सुरक्षा में तैनात निजी सुरक्षाकर्मी उनकी हत्या कर सकते हैं। दिल्ली पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक को लिखे एक पत्र में भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि केजरीवाल का बयान उनके सुरक्षाकर्मियों के साथ-साथ राष्ट्रीय राजधानी के समूचे पुलिस बल के मनोबल को नुकसान पहुंचाने वाला है। उन्होंने पत्र की प्रतियां केन्द्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह और दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल को भी भेजी हैं। केजरीवाल ने शनिवार को आरोप लगाया था कि भाजपा उनकी जान के पीछे पड़ी है और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की तरह उनकी सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी उनकी हत्या कर सकते हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने हाल में पंजाब में भी एक समाचार चैनल से कहा था कि भाजपा उनकी जान के पीछे पड़ी है और एक दिन वह उनकी हत्या करा देगी। कपूर ने अपने पत्र में लिखा, मुझे लगता है कि मुख्यमंत्री की ओर से आया यह बयान न सिर्फ उनकी सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों बल्कि अति विशिष्ट लोगों की सुरक्षा में तैनात दिल्ली पुलिस के कर्मियों के मनोबल को नुकसान पहुंचाने वाला है। कपूर ने कहा, केजरीवाल के आसपास तैनात सभी सुरक्षा कर्मियों को मनोवैज्ञानिक परामर्श दिया जाना चाहिए और दिल्ली पुलिस को तुरंत उनके सुरक्षा कवर की समीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस को केजरीवाल से उनके आरोपों के लिए माफी की मांग करनी चाहिये ।

अखिलेश यादव ने योगी की चुनाव आयोग से की शिकायत, लगाया आरोप

लखनऊ (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर गोरखपुर में सपा प्रत्याशी को हराने के लिए खुद मौजूद रहकर अधिकारियों को निर्देश देने का आरोप लगाते हुए इस सिलसिले में केंद्रीय निर्वाचन आयोग को एक शिकायती पत्र लिखा है. सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि अखिलेश ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को गत 16 मई को एक शिकायती पत्र भेजकर कहा कि मुख्यमंत्री गोरखपुर में मौजूद रह कर सपा प्रत्याशी को पराजित कराने के लिए अधिकारियों को खुद निर्देश दे रहे हैं. अखिलेश ने पत्र में यह भी आरोप लगाया है कि गोरखपुर लोकसभा सीट पर रविवार को होने वाले चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों को जिताने के लिए पुलिस और जिला प्रशासन समाजवादी नेताओं एवं समर्थकों का बेवजह उत्पीड़न कर रहा है. सपा अध्यक्ष ने पत्र में यह भी कहा कहा है कि 16 मई को गोरखपुर के कैंट थाना के प्रभारी निरीक्षक द्वारा सुबह साढ़े छह बजे समाजवादी पार्टी के पार्षद संजय यादव को अकारण थाने पर लाकर भाजपा को जिताने का दबाव बनाया गया. चुनाव आयोग से हस्तक्षेप कर उचित कार्यवाही करने की मांग करते हुए अखिलेश ने खत में आरोप लगाया है कि गोरखपुर और वाराणसी लोकसभा क्षेत्र के ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों एवं सरकारी सस्ते गल्ले के दुकानदारों (कोटेदारों) की बैठकें बुलाकर राज्य सरकार के दर्जनों मंत्रियों द्वारा धमकाया और प्रलोभन दिया जा रहा है । अखिलेश ने कहा है कि अगर चुनाव आयोग ने गोरखपुर में मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों तथा जिला पुलिस प्रशासन की इस प्रकार की गतिविधियों पर रोक न लगाई ।तो 19 मई को निष्पक्ष मतदान सम्भव नहीं होगा।

कर्नाटक में कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन में रार नेता बोले-भंग की जाए विधानसभा

बेंगलुरू। कर्नाटक में कांग्रेस और जेडीएस गठबंधन के बीच खींचतान बढ़ती जा रही है. सत्तारूढ़ कांग्रेस-जद(एस) गठबंधन में मतभेदों और 'सिद्धरमैया को फिर से मुख्यमंत्री' बनाने की बढ़ती मांगों के बीच जेडीएस के वरिष्ठ नेता बसवराज होरात्ती ने विधानसभा भंग किये जाने का शनिवार को सुझाव दिया. हालांकि जब उनके बयान से सरकार की किरकिरी हुई तो मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने मामले में सफाई देते हुए गठबंधन के नेताओं को सार्वजनिक रूप से 'विरोधाभासी' और 'विवादास्पद' बयान देने से बचने का अनुरोध किया. मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र में गैर-भाजपा सरकार बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं. ऐसे में गठबंधन नेताओं के इस तरह के बयानों से ये प्रयास धूमिल हो सकते है. उन्होंने कहा, 'हम केंद्र में नई सरकार के गठन के करीब हैं.' कुमारस्वामी ने ट्वीट किया, 'ऐसे समय में, जब केन्द्र में गैर-भाजपा सरकार बनाये जाने के सभी प्रयास किये जा रहे हैं, तो गठबंधन सहयोगियों कांग्रेस-जद (एस) के नेताओं के विरोधाभासी बयानों से इस तरह के प्रयासों को झटका लग सकता है.' उन्होंने कहा, 'इसलिए मेरा दोनों पार्टियों के नेताओं से विनम्र अनुरोध है कि वे सार्वजनिक रूप से विरोधाभासी-विवादित बयान देने से बचें।

भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर की चेतावनी, गुजरात में करेंगे बड़े पैमाने पर आंदोलन

नई दिल्ली। भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर ने गुजरात में दलित समुदाय के खिलाफ अत्याचार बढ़ने का आरोप लगाते हुए राज्य में बड़े पैमाने पर आंदोलन करने की शनिवार को चेतावनी दी. आजाद ने मेहसाणा जिले के लोहर गांव में उच्च जाति के लोगों द्वारा दलितों का कथित तौर पर बहिष्कार किए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में इस तरह की कई घटनाएं हुई हैं. दलित समुदाय के एक युवक की बारात निकलने के बाद यह घटना हुई थी. इस घटना के बाद इलाके में तनाव छा गया और उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने गांव का दौरा किया. भीम आर्मी प्रमुख ने दलित युवक से शुक्रवार को मुलाकात की. उन्होंने अरावली जिले के एक गांव की एक अन्य घटना का जिक्र किया जहां पिछले हफ्ते कथित तौर पर उच्च जाति के लोगों ने एक दलित दूल्हे की बारात पर पत्थर फेंके थे. इस घटना के चलते हिंसक प्रदर्शन हुए. उन्होंने पीटीआई भाषा से कहा, ''जब दलितों के खिलाफ अत्याचार बढ़ रहा है, मुख्यमंत्री और सरकार कुछ नहीं कर रही है. दोषी अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है. ये घटनाएं दोषी अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है. ये घटनाएं संविधान के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन करती हैं. '' उन्होंने कहा, ''यदि राज्य सरकार ने इसे दुरूस्त करने का कदम नहीं उठाया तो हम आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे. राज्य में दलित समुदाय को यह नहीं सोचना चाहिए कि वह संख्या में कम है. यदि जरूरत पड़ी तो अन्य राज्य से उनके भाई बंधु भी उनका साथ देंगे और राज्य में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन शुरू करेंगे।

लोकतंत्र के महायज्ञ में अंतिम आहूति आज , पंजाब-हिमाचल समेत विभिन्न राज्यों की 59 सीटों पर वोटिंग के प्रबंध मुकम्मल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लोकसभा चुनाव के सातवें एवं अंतिम चरण में रविवार को 7 राज्यों की 59 सीटों पर होने वाले मतदान के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था के बीच इस चरण के लिए मतदान सुबह सात बजे शुरू होगा और मतदाता शाम छह बजे तक अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे। शाम छह बजे मतदान केन्द्रों के दरवाजे बंद कर दिये जायेंगे लेकिन जो मतदाता इससे पहले केन्द्र में चला जायेगा और लाइन में खड़ा होगा उसे वोट डालने का अधिकार होगा। दूर दराज के क्षेत्रों में चुनाव कर्मी जरूरी चुनावी सामग्री के साथ मतदान केन्द्रों में पहुंचना शुरू हो गये हैं। सबसे ऊंचे मतदान केन्द्र हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति जिले में टशीगंग में भी मतदान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। मंडी संसदीय क्षेत्र के तहत आने वाला यह मतदान केन्द्र 15256 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। इस मतदान केन्द्र के आसपास के क्षेत्र में अक्सर बर्फ की मोटी चादर जमी रहती है और प्रशासन ने इसे हटाने के लिए सभी इंतजाम किये हैं। इस केन्द्र पर हेलिकॉप्टर से ईवीएम पहुंचाई गयी हैं। इस क्षेत्र में तापमान शून्य से कम डिग्री पर भी पहुंच जाता है। पंजाब की 13 सीटों में संगरूर, बठिंडा, श्री खडूर साहिब, जालंधर, फतेहगढ़ साहिब, श्री आनंदपुर साहिब, होशियारपुर, पटियाला, फरीदकोट ,लुधियाना सीट गुरदासपुर, अमृतसर ,फिरोजपुर शामिल हैं । इन सीटों में से तीन पर भाजपा तथा दस पर उसकी सहयोगी अकाली दल चुनाव लड़ रही है। भाजपा ने अमृतसर में केन्द्रीय मंत्री हरदीप पुरी, गुरदासपुर से सनी देओल और होशियारपुर सीट पर विधायक सोम प्रकाश को उतारा तथा अकाली दल ने बठिंडा में लगातार दो बार सांसद रहीं केन्द्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल , फरीदकोट से गुलजार सिंह रणिके, पटियाला से पूर्व मंत्री सुरजीत सिंह रखड़ा, श्री आनंदपुर साहिब से निवर्तमान सांसद प्रो. प्रेम सिंह चंदूमाजरा, खडूर साहिब से बीबी जागीर कौर, संगरूर से परमिंदर सिंह ढींडसा ,जालंधर से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष चरणजीत सिंह अटवाल, फतेहगढ़ साहिब से दरबारा सिंह गुरू,फिरोजपुर से अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल ,लुधियाना से महेश इंदर ग्रेवाल को उतारा है । चुनाव आयोग ने स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए सुरक्षा के कड़े प्रबंध किये हैं और सभी लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव पर्यवेक्षक और निगरानी टीमें सभी गतिविधियों पर नजर रखे हुए है। मतदान केन्द्रों के पास सुरक्षा व्यवस्था के चाक चौबंद इंतजाम किये गये हैं जबकि संवेदनशील और अति संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर केन्द्रीय बलों की अतिरिक्त तैनाती की गयी है। पश्चिम बंगाल में हिंसा की घटनाओं को देखते हुए विशेष सुरक्षा इंतजाम किये गये हैं। वहां क्विक रिएक्शन टीमों को भी तैनात किया गया है। इस चरण की 50 सीटों पर चुनाव प्रचार शक्रवार शाम छह बजे समाप्त हो गया था जबकि पश्चिम बंगाल में हिंसा की घटनाओं के बाद वहां की नौ सीटों पर चुनाव आयोग ने चुनाव प्रचार निर्धारित समय से एक दिन पहले ही गुरूवार रात दस बजे बंद कर दिया था। इस चरण में 11 लाख दो हजार 986 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं। दस करोड़ से अधिक मतदाताओं में से चार करोड़ 74 लाख 56 हजार 828 महिला मतदाता हैं जबकि पुरूष मतदाओं की संख्या पांच करोड़ 27 लाख 14 हजार 890 है।

गोडसे पर साध्वी प्रज्ञा के बयान की नीतीश ने की निंदा, कहा-पार्टी से बाहर निकाले बीजेपी

पटना (एजेंसी)।

भोपाल से भाजपा प्रत्याशी साध्वी प्रज्ञा की ओर से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे को देशभक्त बताए जाने की अब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी कड़ी निंदा की है। साध्वी के बयानों पर घिरी बीजेपी को नसीहत देते हुए बीजेपी के साथ गठबंधन सरकार चला रहे नीतीश कुमार ने कहा कि साध्वी प्रज्ञा के ऐसे बयान के लिए उन्हें पार्टी से बाहर करने पर विचार करना चाहिए। हम ऐसे बयानों को बर्दाश्त नहीं कर सकते। पटना में मतदान करने के बाद बूथ से बाहर निकलते वक्त नीतीश कुमार ने पत्रकारों से बात करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि गांधी जी को लेकर इस तरह के बयानों को कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि यह बीजेपी का अंदरूनी मामला है, लेकिन इस तरह के बयान के लिए उन्हें पार्टी से निकालने पर विचार करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने लोकसभा चुनाव की अवधि को लेकर कहा कि इतने लंबे वक्त इलेक्शन नहीं होने चाहिए। उन्होंने कहा कि लंबे चरणों में चुनाव नहीं होने चाहिए। उन्होंने कहा कि आखिर 45 से 50 दिन तक चुनाव क्यों होने

चाहिए? मैं सभी दलों के नेताओं को पत्र लिखकर इस बात पर आम सहमति बनाने का प्रयास करूंगा कि चुनाव कम वक्त में होने चाहिए।

माकपा ने लगाया पश्चिम बंगाल में धांधली का आरोप,चुनाव आयोग से की निर्णायक हस्तक्षेप की मांग

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल में रविवार को सातवें चरण के मतदान में बड़े पैमाने पर धाँधली का आरोप लगाते हुए मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने आज चुनाव आयोग से 'निर्णायक हस्तक्षेप की मांग की। माकपा के महासचिव सीताराम येचुरी ने कहा 'मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुनिल अरोड़ा जी से बात कर उन्हें दमदम, डायमंड हार्बर, कोलकाता उत्तर और जाधवपुर में बड़े पैमाने पर धांधली और हिंसा के बारे में बताया। उन्होंने हमें आश्वस्त किया है। हम उम्मीद करते हैं कि चुनाव के अंतिम चरण में चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करेगा कि लोगों को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से मतदान करने दिया जाएगा। माकपा नेता ने बताया कि डायमंड हार्बर, दमदम और उत्तरी कोलकाता में केंद्रीय बलों के जवान नहीं है।'लोकतंत्र के अपहरण को रोकने की कोई कोशिश नहीं हो रही। कार्वाई की मांग करते हुए उन्होंने लिखा 'निर्वाचन आयोग मूक दर्शक बनकर नहीं रह सकता। उसे निर्णायक हस्तक्षेप करना होगा। उसे निर्णायक हस्तक्षेप करना होगा। इन इलाकों में लोग स्वयं हिंसा का विरोध कर अपने अधिकारों का प्रयोग कर रहे हैं।येचुरी ने कहा कि चुनाव आयोग ने राज्य में सात चरणों में चुनाव कराने के पीछे तर्क दिया था कि इसकी वजह 'स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में चुनाव आयोग द्वारा मतदान की सबसे निराशाजनक निगरानी इस बार हुई है।

संपादकीय

मतभेद भुलाकर एकजुट

लोकसभा चुनाव नतीजे आने के ठीक पहले चुनाव आयोग के आयुक्तों में मतभेद की खबरें उनके बीच तनातनी के रूप में सामने आना इस संस्था की छवि के लिए ठीक नहीं। चुनाव आयुक्त अशोक लवासा इससे क्षुब्ध बताए जाते हैं कि आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतों को लेकर जो फैसले लिए गए उनमें उनकी असहमति को फैसले का हिस्सा नहीं बनाया जा रहा। वह इस हद तक रुष्ट हैं कि आयोग की बैठकों में भी शामिल नहीं हो रहे हैं। पहली नजर में यह लगता है कि यदि किसी फैसले में चुनाव आयुक्त की असहमति है तो वह दर्ज होनी ही चाहिए, लेकिन वास्तव में मामला यह है कि अशोक लवासा अपनी असहमति को फैसले का हिस्सा बनाकर उसे सार्वजनिक करना चाहते हैं। एक तरह से वह यह चाह रहे हैं कि चुनाव आयोग में सुप्रीम कोर्ट वाली वह व्यवस्था लागू हो जिसके तहत यदि किसी तीन सदस्यीय पीठ में कोई एक न्यायाधीश शेष दो न्यायाधीशों के विचारों से अलग विचार रखता है तो फैसले में यह लिखा जाता है कि उन्होंने बहुमत के विपरीत ऐसा-ऐसा कहा। अशोक लवासा की मांग तब उचित कही जा सकती थी, जब पहले भी ऐसा होता रहा हो। आखिर जब पहले चुनाव आयोग की ओर से बहुमत से लिए गए फैसलों में असहमति जताने वाले आयुक्त की टिप्पणी फैसले का हिस्सा नहीं बनती थी तो अब क्यों बननी चाहिए? समझना कठिन है कि अशोक लवासा एक नई परंपरा क्यों स्थापित करना चाह रहे हैं? उनकी आपत्ति इसलिए अनावश्यक लगती है, क्योंकि किसी भी मामले में चुनाव आयुक्तों की ओर से जो भी फैसले लिए जाते हैं उनका निर्धारण बहुमत के आधार पर होता है और फैसले पर विचार करते समय किसने क्या कहा, इसका विवरण फाइलों का हिस्सा बनता है। जो असहमति किसी न किसी रूप में दर्ज होती ही है उसे सार्वजनिक करने की अपेक्षा क्यों? अशोक लवासा यह क्यों चाहते हैं कि देश-दुनिया को यह पता लगे कि बहुमत से लिए गए फैसलों में अल्पमत वाला विचार उनका था? एक समय चुनाव आयोग में एक ही आयुक्त हुआ करता था। जब टीएन शेषन मुख्य चुनाव आयुक्त थे तब उसे तीन सदस्यीय बनाने का फैसला किया गया। इसके पीछे मकसद यही था कि आयोग कहीं अधिक नीर-क्षीर से ढंग से फैसला ले। टीएन शेषन के बाद चुनाव आयोग अपने तीन आयुक्तों के साथ प्रभावी ढंग से काम करता रहा और यदि कभी उनके बीच मतभेद रहे भी हों तो वे उस तरह सार्वजनिक नहीं हुए जैसे अब हुए हैं। किसी संस्था में मतभेद होना कोई खराब बात नहीं। खराब बात है मतभेदों को तूल देना। फिलहाल यही हो रहा है। चुनाव आयोग ही नहीं किसी भी संस्था के हित में यही है कि मतभेदों के बावजूद मिलजुलकर काम किया जाए। पता नहीं मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा के स्पष्टीकरण के बाद चुनाव आयुक्त अशोक लवासा अपने रुख में नरमी लाते हैं या नहीं, लेकिन यह ठीक नहीं कि वह अपनी असहमति को कुछ ज्यादा ही तूल देते हुए दिख रहे रहे हैं। कम से कम जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को तो ऐसा करने से बचना ही चाहिए।

ट्वीट

विचार

गांधी के शरीर को भले गोडसे ने 72 साल पहले मार दिया, लेकिन गांधीवाद को गोडसेवाद न तब मार पाया था न आज मार पाएगा न सैकड़ों साल बाद मार पाएगा। गांधी को गोडसे कभी भी परास्त नहीं कर पाएगा। गांधी विचार है। गोडसे जहर है।

नरेन्द्र नाथ

नए सियासी मॉडल की दरकार

शशि शेखर

अप्रैल-मई 2019 का यह आम चुनाव अपने गर्भ में कैसी अथवा किसकी सरकार छिपाए हुए है? मुझे इस सवाल की बनिस्बत वह यक्ष प्रश्न महत्वपूर्ण लगता है, जो गुजरते चुनाव ने इस देश की रूह पर टांक दिया है। क्या भारतीय राजनीति से शील, संकोच, स्वाभिमान, समर्पण, सहमति, सौहार्द और साहचर्य की संभावनाएं हमेशा के लिए खत्म हो गई हैं? मिथकीय कथाओं और चरित्रों में मुंह छिपाकर संतोष खोजने वाले भले ही महाभारत को स्थाई नियति मानकर संतोष की सांस ले लें, पर यह सच है कि जिंदा कौमों को अतीत की नहीं, भविष्य की सोचनी होती है। मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं कि हमने उल्टी राह पकड़ रखी है। हर दल के नेता चुनाव-दर-चुनाव गड़े मुर्दे खोद निकालने में मसरूफ हैं। यह सिलसिला डराता है। नौजवानों के इस देश को भविष्य का साफ खाका चाहिए। इसके लिए राजनीतिक दलों में आम सहमति होना जरूरी है, पर हो क्या रहा है? किसान, मजदूर, महिलाएं, मजलूम राजनीतिक महारथियों के लिए महज सियासी मोहरे बनकर रह गए हैं। रक्षा-प्रतिरक्षा जैसे गंभीर मुद्दों पर भी जैसा कोलाहल सुनाई पड़ता है, वह हमारी गंभीरता नहीं, बल्कि थोथी वाचालता की मुनादी करता प्रतीत होता है। पहले की सरकारों और नेताओं ने जो भी अच्छा-बुरा किया हो, मगर एक बात तय है कि ऐसे मुद्दों पर एक अलिखित सहमति हुआ करती थी। आपको 52 साल पीछे ले चलने की इजाजत चाहूंगा। बात 1967 की है। 1962 में चीन से मिली पराजय से शर्मसार और 1965 की भारत-पाक लड़ाई से आर्थिक रूप से क्षत-विक्षत भारत की सेना को एक अघोषित जंग लड़ने के लिए बाध्य होना पड़ा था। चीन सीमा स्थित नाथू ला पर लाल सेना ने कुछ हिमाकत की थी। जवाब में भारतीय फौज के दस्तों ने निर्णायक कार्रवाई की। 300 से ज्यादा चीनी भून दिए गए। हमारे भी 65 रणबांकुरे शहीद हुए। 14,200 फीट की ऊंचाई पर लड़ी गई यह लड़ाई दोनों देशों के बीच आखिरी बड़ी झड़प थी। चीन समझ गया कि हमारी फौज का साहस अदम्य और तेवर यथावत हैं। कुछ गुर्राहटों से आगे की कोई हरकत प्राणलेवा साबित होगी। उन्होंने खुद को वहीं तक सीमित कर लिया। भारतीय राजनीति में वे शील भरे दिन थे। इस खबर को फैलाने की बजाय दबा दिया गया। बरसों तक देश के अधिसंख्य जन इससे नावाकिफ रहे। नतीजतन, दोनों देशों के बीच कड़वाहट नहीं बढ़ी और कूटनीतिक मंचों पर भी भारत को अपनी बात रखने में आसानी हुई। अधिकतर सैनिक कार्रवाइयां इसी एहतियात की तलबगार होती हैं, पर बदलती दुनिया ने आत्मघाती केंचुल धारण कर ली है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ भारत में प्रतिरक्षा संबंधी मामले सड़कों और गलियों में चर्चा का विषय बनते हैं। द्वितीय विश्व-युद्ध से 1983 तक ब्रिटेन में भी ऐसे मामलों में 'ओमाता' (एक इटालियन शब्द, जिसका अर्थ होता है गोपनीयता का सिद्धांत) का पालन किया जाता था। अमेरिकी बड़बोलापन अब वहां भी हावी हो गया है। इसका नतीजा 10, डाउनिंग स्ट्रीट अथवा ह्वाइट हाउस में बैठे हुक्मरानों को फौरी तौर पर भले ही लुभाता हो, पर शेष दुनिया में असंतोष को उग्र करता जाता है। यही वजह है कि ओसामा बिन लादेन के खात्मे को 'लाइव' देखने वाले ओबामा अल-कायदा को खत्म नहीं कर पाए। तमाम हमलों के बावजूद 'दाएश' आज भी कत्ल-ओ-गारत मचाने की हैसियत रखता है। कोलंबो में गत दिनों हुआ हमला इसका उदाहरण है। विकसित देशों की सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों के शब्द जब आग उगल रहे हों, तब कुछ हुक्मरां आश्चर्यजनक तौर पर अमन-अमान की रखवाली करते नजर आते हैं। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा सेहतमंद लोकतंत्र का ऐसा ही स्तंभ हैं। पिछली 15 मार्च को जब एक सिरफिरे ने क्राइस्टचर्च की मस्जिद में 51 नमाजियों को हलाक कर डाला, तो वह आश्चर्यजनक तौर पर संयम से काम लेती दिखाई दीं। उन्होंने अपने पहले भाषण में ही कहा कि हम हमलावर की पहचान घोषित नहीं करेंगे। यही नहीं, विपक्ष को विश्वास में लेकर उन्होंने तमाम ऐसे कदम उठाए, जिनसे इस प्रकार के जघन्य कांडों की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। वह यहीं नहीं रुकीं। काले रंग का दुपट्टा ओढ़कर जेसिंडा शोकसभा में भी गईं। पूरी दुनिया के मीडिया ने उनका यह फोटो प्रमुखता से छापा। विश्व जनमत ने उनकी इस नेक पहल को सराहा, पर विभाजन की राजनीति के अभ्यस्त हुक्मरां क्या इसे स्वीकार करेंगे? अब भारत में लौटता हूं। उरी की सर्जिकल स्ट्राइक के बाद से सेना, सैनिक और सैन्य कार्रवाइयां लगातार विवादों के केंद्र में रही हैं। चुनावों को जंग मानने वाले हमारे जंगजू नेता क्यों भूल जाते हैं कि सैन्य पराक्रम का अधिकांश हिस्सा सिर्फ गोपनीय दस्तावेजों अथवा जवानों के प्रशिक्षण तक सीमित होना चाहिए। वे यह भी बिसरा देते हैं कि साउथ ब्लॉक में हुकूमत कोई भी चला रहा हो, पर वह अंततः होता मुल्क का नुमाइंदा ही है। यह ध्रुव सत्य है कि अब तक के हर प्रधानमंत्री ने देश की रक्षा के लिए कोई न कोई सार्थक कदम जरूर उठाया है। बेहतर हो कि हम सरहदों के पार बैठे लोगों की चर्चा करने की बजाय, उन लोगों पर बात करें, जिनसे देश बनता है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ प्रतिरक्षा मामलों में हुक्मरानों को सर्वानुमति की जरूरत होती है। कई बार प्राकृतिक आपदाओं अथवा मूलभूत समस्याओं से निपटने के लिए भी सभी दलों ने सहमति दिखाई है। ओडिशा पर पिछले दिनों कहर बरपा गए 'फेनी' से बचाव का कार्य सर्वसहमति की ऐसी ही मिसाल बना। यह चुनाव एक ऐसा अवसर था, जब सभी दलों को कम से कम रोटी-रोजगार जैसे मुद्दों पर ऐसे एका को बढ़ाना चाहिए था, पर ऐसा न हो सका। भारत के लोग जब पिछले छह चरणों के दौरान अपने मताधिकार का प्रयोग करने घर से निकले, तो भले ही उनके मन में कितने भी अच्छे भाव रहे हों, पर क्या एक भी ऐसे नेता का प्रतिबिंब उनकी आंखों के सामने था, जिसने सियासत के सर्वोच्च मानदंडों का पालन किया हो?

ज्ञान गंगा

तर्क

जग्गी वासुदेव/ मेरे पूरे जीवन की कोशिश यही रही है कि रहस्यवाद को, आध्यात्मिकता को सरल व तार्किक तरीके से आपके सामने पेश कर सकूं, ताकि आप उसे आसानी से समझ सकें, ग्रहण कर सकें। लेकिन तमाम लोग ऐसे हैं, जो आसान चीजों को भी रहस्यमय या दैवीय बनाने में लगे हैं। अगर कहीं घंटी बजती है या कोई फूल गिरता है या फिर अगर बिजली चली जाती है, तो लोग इसमें दैवीय आयाम ढूंढ़ने लगते हैं। दैवीय आयाम को इंसानों की पहुंच में लाने के बजाए वे लोग जीवन के सहज व सरल पक्षों को दूसरे आयामों में ले जाने की कोशिशों में लगे हुए हैं। सबसे पहली बात तो यह कहना चाहूंगा कि आप ध्यान का इस्तेमाल अपनी समस्याओं के समाधान के तौर पर करने की कोशिश मत कीजिए। सवाल है कि क्यों? हमें अपनी समस्याओं के समाधान में ध्यान का इस्तेमाल क्यों नहीं करना चाहिए? दरअसल, यह तो कुछ ऐसी ही बात हो गई कि मामूली से जुकाम को ठीक करने के लिए आप कीमोथेरेपी का इस्तेमाल करें। जीवन को संभालने का यह मूर्खतापूर्ण तरीका है। मामूली से जुकाम को संभालने के लिए रु माल काफी है। जुकाम में आपको कुछ दिनों तक नाक बहानी होगी, अदरक या काली मिर्च की चाय पीनी होगी और यह अपने आप ठीक हो जाएगा। जब आप ध्यान करना शुरू करते हैं तो उस दौरान आप मानव अस्तित्व की सबसे मूलभूत समस्या से निबटने की कोशिश कर रहे होते हैं, इसलिए उसका इस्तेमाल मामूली चीजों के लिए मत कीजिए। अगर आप मानव अस्तित्व की सबसे बुनियादी समस्या से निबटने की कोशिश करते हैं तो बाकी सभी समस्याएं अर्थहीन नजर आती हैं। अगर आप इस स्थिति तक नहीं पहुंचे हैं तो कोई बात नहीं। लेकिन फिर भी जुकाम ठीक करने के लिए कीमो का इस्तेमाल करना ठीक नहीं। यह बेहद अफसोस की बात है कि जब आप ध्यान करते हैं, केवल तभी आपके मन में कुछ स्पष्टता रहती है। इसकी वजह है आपके भीतर बुनियादी तौर पर एक भ्रम है। हम ईशा क्रिया द्वारा इसको सरल तरीके से दूर करने की कोशिश करते हैं। क्रिया के दौरान कहा जाता है- ''न ही मैं शरीर हूं और न ही मन हूं।' अगर आपने यह चीज अनुभव के स्तर पर समझ ली तो बाकी समस्याएं झटके में गायब हो जाएंगी। आज परिवार की किसी छोटी-मोटी समस्या ने अगर आपके होश उड़ा रखे हैं। इसे ठीक करने के लिए आप ध्यान का सहारा मत लीजिए।

गुलामों से आजाद सिंध मेरा सपना

वीरू कोहली पाकिस्तानी समाज सेविका

पाकिस्तान के सिंध सूबे में एक गांव है अल्लाहदीनो शाह। यहीं पर एक भूमिहीन परिवार में वीरू कोहली का जन्म हुआ था। वीरू के पिता खेतों में मजदूरी कर अपने परिवार का किसी तरह पेट पालते थे। वह पिता की चहेती थी। वीरू जब 16 साल की हुई, तो गांव की और लड़कियों की तरह पिता ने अपनी हैसियत के हिसाब से एक अच्छा घर देखकर बेटी के हाथ पीले कर दिए। पर नियति में कुछ और बदा था। वीरू के बाबा को पता ही न था कि उसके ससुराल वाले किसी जमींदार के यहां बंधुआ मजदूर हैं। परिवार ने मालिक से जो कर्ज लिया था, वह कभी अदा ही नहीं हुआ। शुरू-शुरू में वीरू समझ ही नहीं पाती थी कि आखिर कर्ज खत्म क्यों नहीं होता, जबकि परिवार की पूरी कमाई उसे चुकाने में ही खप जाती है? वीरू के जब दो बच्चे हुए, तभी से उन्होंने खेतों में काम करना शुरू कर दिया था। उन्हें पैसों की सख्त दरकार थी। बच्चे भी उनके साथ-साथ घास काटते और मवेशियों के गोबर उठाते। वीरू उन दिनों को याद करके कुछ भावुक हो जाती हैं- 'वह नरक भरी जिंदगी थी। हम जी-तोड़ मेहनत करते, पर हमारा कर्ज बढ़ता ही जाता। कोई किसी के प्रति जवाबदेह न था। मेरे बच्चों को कभी खाना मिलता और कभी वे भूखे ही सो जाते। कई बार तो हम जंगलों में कुदरती रूप से उगी सब्जियां ढूढ़कर लाते और उनको कच्चा खाकर ही अपना पेट भरते थे।' करीब 17 साल तक वीरू का परिवार उस जमींदार की बेगारी-चाकरी में जुटा रहा, और आखिरकार उन्होंने रिश्तेदारों से कर्ज लेकर किसी तरह उससे छुटकारा पाया। इसके बाद उमरकोट के एक खेत मालिक के यहां उन्हें काम मिला। वीरू और परिवार को उम्मीद थी कि नया मालिक पुराने मालिक जितना जालिम नहीं होगा, पर जल्द ही उनका भरम टूट गया। यह नया मालिक भी गुलामी कराने वाला था। इसके यहां भी कर्ज कभी नहीं चुक पाते थे। वीरू और उन जैसे बदकिस्मत मजदूर परिवारों को दड़बेनुमा झोंपड़ियों में रखा गया था, जिनके चारों तरफ संगीनधारियों का सख्त पहरा होता। ये पहरेदार भी कम अत्याचारी न थे। खास तौर से औरतों और लड़कियों पर इनकी बुरी निगाह होती थी। औरतों को डराने के लिए वे उन्हें धमकाते या फिर उनके सामने ही पति की पिटाई कर देते थे। कहने को तो पाकिस्तानी हुकूमत ने 1992 में ही बंधुआ मजदूरी को गैर-कानूनी बना दिया था, मगर हकीकत में अब भी ईंट भट्ठा, खेती, खनन व मछली पालन जैसे कारोबारों में इसकी पकड़ मजबूत है। इनकी बेबसी का आलम यह था कि जब भी मालिक को किसी गुलाम की बेटी पसंद आ गई, तो वे उसे बुला लेते और उसका जबरिया धर्म-परिवर्तन करा देते। वीरू मुश्किल से अपने जज्बात को काबू में करती हैं- 'हम आठ परिवारों के करीब 45 लोग थे, जो दो साल तक उसकी कैद में रहे। वह मेरे बच्चों को तो मारता-पीटता था ही, उसने मुझे अपनी बेटियों की शादी तक नहीं करने दी। हम गुजारिश करते, मगर वह हमें आजाद करने को राजी न था।' 1998 में एक दिन वीरू अपने बेटे के साथ वहां से किसी तरह भागने में कामयाब हो गईं। भागकर वह अपने भाइयों के पास पहुंचीं। भाइयों ने जमींदार के कर्ज के 60 हजार रुपये जुटाए और जब वे उसके पास बाकी घरवालों को आजाद कराने के लिए पहुंचे, तो कर्ज आठ लाख बताकर उसने उन्हें छोड़ने से इनकार कर दिया। और धमकी दी कि वीरू की बेटियों को बेचकर वह अपनी कर्ज वसूलेगा। वीरू ने मानवाधिकार आयोग का नाम सुन रखा था। वह उसके अधिकारियों से मिलीं। अफसरों ने उसे उमरकोट के पुलिस अधिकारी के पास भेजा। मगर कुछ होता न देख, वह पुलिस मुख्यालय में तीन दिनों तक धरने पर बैठी रहीं, जब तक कि एक पुलिस कप्तान खुद उनके साथ गुलामों को आजाद कराने के लिए साथ चलने को तैयार न हुए। जाहिर है, तब जमींदार के गुर्गों ने उन सबको आजाद करने में ही अपनी भलाई समझी। इसके बाद वीरू और उनके पति की दुनिया ही बदल गई। वीरू को एक बहादुर औरत के रूप में देखा जाने लगा। वीरू कहती हैं, 'आजाद होने के बाद मैंने महसूस किया कि हमारी असली जंग अब शुरू हुई है। मैंने इरादा किया कि हमने जिस दर्द को भोगा है, उससे औरों को भी निजात दिलाऊंगी।' उन्होंने पूरे पाकिस्तान में घूम-घूमकर गुलामी प्रथा और बंधुआ मजदूरी के खिलाफ प्रचार शुरू कर दिया। साल 2009 में वीरू को इसके लिए प्रतिष्ठित 'फ्रेडरिक डगलस फ्रीडम अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। साल 2013 में वीरू ने सिंध असेंबली के लिए बतौर आजाद उम्मीदवार चुनाव भी लड़ा, मगर वह जीत न सकीं। उन्हें मैदान से हटने के लिए बलात्कार और जान से मारने तक की धमकियां मिलीं, मगर वह नहीं झुकीं। गुलामी और बंधुआ मजदूरी के खिलाफ वीरू की मुहिम जारी है। हाल ही में पाकिस्तान की 50 प्रेरक महिलाओं में एक वीरू कोहली को भी शामिल किया गया है। जमींदार और कुछ नेता उनकी मुहिम से बेहद खफा हैं, मगर वह कहती हैं कि मेरा सपना गुलामों से आजाद सिंध है और इसके लिए मैं हर कीमत देने को तैयार हूं।

प्रस्तुति- चंद्रकांत सिंह

आज का राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

इंडिगो ने प्रबंधन में बदलाव के कयासों को बताया आधारहीन

नई दिल्ली(एजेंसी)।

यात्री संख्या के मामले में देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने कंपनी के प्रवर्तकों के बीच मतभेद के बारे में मीडिया में आई खबरों के बीच कहा है कि प्रबंधन में बदलाव की कयासबाजी आधारहीन है और कंपनी की मौजूदा रणनीति में कोई बदलाव नहीं किया जा रहा। इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रोनोजॉय दत्ता ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा ''इंडिगो के दोनों प्रवर्तकों के बीच संभावित मतभेद के बारे में मीडिया में विभिन्न तरह की खबरें आ रही हैं। इन खबरों ने कंपनी के भविष्य, प्रबंधन में बदलाव और नियंत्रण के मुद्दे पर कई प्रकार के कयासों को जन्म दिया है। मैं इन आधारहीन कयासों के बारे में पुरजोर तरीके से स्थिति स्पष्ट करना चाहता हूं क्योंकि ये शेयरधारकों तथा हमारे कर्मचारियों के हित में नहीं हैं। दत्ता ने लिखा है कि किसी भी सुप्रबंधित कंपनी में मतभेद होते रहते हैं। उन्होंने कहा ''अभी कुछ मुद्दों पर मतभेद हो सकते हैं लेकिन मुद्दों को सुलझाकर आगे बढ़ने में कंपनी का पिछला रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। यदि इन मुद्दों का समाधान नहीं निकला तो मीडिया को इसके बारे में पता चल जाएगा लेकिन अभी कयासबाजी का कोई फायदा नहीं है। इंडिगो में दो मुख्य प्रवर्तक हैं। इंटरग्लोबल इंटरप्राइजेज के पास 37.90 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यूएस एयरवेज के पूर्व सीईओ राकेश गंगवाल और उनकी पत्नी शोभा गंगवाल के पास 23.08 फीसदी हिस्सेदारी है। इनके बाद चिनकेरपू फैमिली ट्रस्ट की 13.60 फीसदी हिस्सेदारी है। इस ट्रस्ट के न्यासियों में भी श्रीमती गंगवाल शामिल हैं। दत्ता ने प्रेस विज्ञप्ति में श्री गंगवाल की ओर से एक बयान भी जारी किया है जिसके बारे में उन्होंने लिखा है कि उन्हें यह जारी करने के लिए अधिकृत किया गया है।

शीर्ष दस में से नौ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 82,379.79 करोड़ रुपए बढ़ा

नई दिल्ली(एजेंसी)

सेंसेक्स की शीर्ष दस कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 82,379.79 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। इस दौरान एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा। बीते सप्ताह बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 467.78 अंक या 1.24 प्रतिशत बढ़कर 37,930.77 अंक पर पहुंच गया। व्यापक बाजार में सकारात्मक धारणा से बीते सप्ताह शीर्ष दस में से नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। सप्ताह के दौरान टीसीएस एकमात्र कंपनी रही जिसका बाजार पूंजीकरण घटा। एचडीएफसी बैंक के बाजार पूंजीकरण में सबसे अधिक बढ़ोतरी हुई। बैंक की बाजार हैसियत 17,685.54 करोड़ रुपए बढ़कर 6,43,560.05 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार मूल्यांकन 12,531.51 करोड़ रुपए बढ़कर 2,78,823.62 करोड़ रुपए और एचडीएफसी का 10,776.2 करोड़ रुपए बढ़कर 3,43,211.58 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 10,531.29 करोड़ रुपए बढ़कर 3,75,738.57 करोड़ रुपए और एसबीआई का बाजार मूल्यांकन 9,727.82 करोड़ रुपए बढ़कर 2,84,650.48 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 9,635.15 करोड़ रुपए बढ़कर 8,02,316.11 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 4,535.7 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 3,69,475.16 करोड़ रुपए रहा। आईसीआईसीआई बैंक के बाजार मूल्यांकन में 3,570.66 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ ।

तेल कंपनियों को एक साल से नहीं मिला डीबीटी का पैसा

नई दिल्ली(एजेंसी)।

सरकार ने तेल विपणन कंपनियों को घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) पर दी जाने वाली सब्सिडी का पैसा एक साल से नहीं दिया है तथा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत सिलैंडर की सिक्युरिटी मनी का पैसा भी सरकार के पास बकाया है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष संजीव सिंह ने बताया कि वित्त वर्ष 2018-19 में रसोई गैस तथा के मिट्टी के तेल की सब्सिडी और उज्ज्वला योजना की सिक्यूरिटी मनी का कुल 19,278 करोड़ रुपए सरकार से नहीं मिला है। इसमें अकेले रसोई गैस की सब्सिडी का 13,883 करोड़ रुपए बकाया है। यह राशि जून 2018 से मार्च 2019 के बीच की है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत कनेक्शन तत्काल निःशुल्क दिया जाता है। इसमें गैस सिलैंडर की सिक्यूरिटी राशि तेल कंपनियों को सरकार से मिलती है। गैस चूल्हे की कीमत तेल विपणन कंपनियां बाद में वसूल करती हैं। इसके लिए उपभोक्ता को तब तक रिफिल पर सब्सिडी नहीं मिलती जब तक चूल्हे की कीमत वसूल न हो जाए। सिंह ने बताया कि उज्ज्वला योजना की सब्सिडी का दो हजार करोड़ रुपए सरकार के पास बकाया है। इसके अलावा मिट्टी के तेल की सब्सिडी का 3,395 करोड़ रुपए भी उसे सरकार से अभी मिलना है।

ट्रेन से चोरी हुए थे गहने, महिला को 6.02 लाख रुपए देगा रेलवे

भोपाल(एजेंसी)।

यात्रा के दौरान ट्रेन में एक महिला यात्री का पर्स चोरी हो गया था। इसमें साढ़े 6 लाख रुपए कीमत के गहने थे। मामले की सुनवाई करते हुए उपभोक्ता फोरम ने इसे रेलवे की लापरवाही मानते हुए यात्री को 6.02 लाख रुपए देने का आदेश दिया। गाजियाबाद निवासी कशिश अपने पति मोहम्मद अब्बास के साथ 29 जून 2015 को भोपाल स्टेशन से हजरत निजामुद्दीन जाने के लिए भोपाल एक्सप्रैस में सवार हुई थीं। झांसी पर जब ट्रेन रुकी तो मोहम्मद टॉयलेट जाने के लिए उठे और उन्होंने कशिश को सामान देखने के लिए कहा। जब वह लौटकर आए तो देखा कि पर्स गायब है। इसमें साढ़े 6 लाख रुपए की कीमत के सोने के जेवरात रखे हुए थे। इसकी शिकायत उन्होंने 30 जून को हजरत निजामुद्दीन स्टेशन पर दर्ज कराई। जांच के बाद मामला ग्वालियर स्थानांतरित हो गया। कहीं पर इंसाफ न मिलने से परेशान कशिश ने 2 फरवरी 2017 को उपभोक्ता फोरम में दावा पेश किया। 26 माह तक चले इस केस में रेलवे के वकील ने कशिश के दावे को खारिज करने की मांग करते हुए तर्क दिया कि यात्रा के दौरान ट्रेन में यात्री सो रही थी,

इसलिए हमारी गलती नहीं है लेकिन फोरम के अध्यक्ष अरुण सिंह तोमर ने इसे सेवा में कमी माना और कहा कि यात्री के सामान की हिफाजत की जवाबदेही रेलवे की है। फोरम ने नार्थ सैंट्रल रेलवे को 6 लाख रुपए के साथ वाद पेश करने में हुए खर्च के एवज में 2000 रुपए अलग से देने का आदेश दिया।

आपकी ऑनलाइन खरीदारी पर नजर रख रहा गूगल

सैन फ्रांसिस्को। गूगल आपके निजी जीमेल अकाउंट पर भेजी गई खरीद रिसीप्ट के माध्यम से आपके द्वारा की गई प्रत्येक ऑनलाइन खरीदारी पर नजर रखता है। सीएनबीसी में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, यह जानकारी यूजर्स के लिए निजी वेब टूल के माध्यम से उपलब्ध है। कंपनी का दावा है कि वेब टूल आपके डाटा को गोपनीय रखता है। गूगल ने हालांकि जोर देकर कहा कि वह इस जानकारी का उपयोग व्यक्तिगत विज्ञापन के लिए नहीं करता है। कंपनी ने साल 2017 में कहा था कि वह जीमेल मैसेजों से इकट्ठे हुए डाटा का उपयोग व्यक्तिगत विज्ञापनों में करना बंद कर देगी। गूगल ने द वर्ज से एक बयान में कहा, आपको एक स्थान पर आपकी खरीदारी, बुकिंग या सब्सक्रिप्शन पर आसानी से निगरानी रखने में सहायता करने के लिए हमने एक व्यक्तिगत केंद्र बनाया है जिसे सिर्फ आप देख सकते हैं। कंपनी ने आगे कहा, आप यह जानकारी कभी भी डिलीट कर सकते हो। हम आपको विज्ञापन देने के लिए आपके जीमेल अकाउंट से ईमेल रिसीप्ट और पर्चेज पेज पर कनफर्मेशन मैसेज समेत किसी भी जानकारी का उपयोग नहीं करते हैं। गूगल ने हालांकि यह नहीं कहा कि यह टूल कितने समय से एक्टिव है।

रिलायंस कैपिटल को चालू वित्त वर्ष में संपत्ति बेचकर 10 हजार करोड़ रुपए जुटाने का अनुमान

नई दिल्ली(एजेंसी)।

उद्योगपति अनिल अंबानी की नकदी संकट से जूझ रही कंपनी रिलायंस कैपिटल ने शनिवार को कहा कि उसे चालू वित्त वर्ष में संपत्तियों की बिक्री कर 10 हजार करोड़ रुपए जुटाने तथा कर्ज 50 प्रतिशत कम करने का अनुमान है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह कर्ज की किस्तें भरने में नियमित रही है और समय पर किस्तों का भुगतान सुनिश्चित करने के लिए काम करती रही है। उसने कहा कि संपत्ति बेचकर पैसे जुटाने की उसकी योजना सही तरीके से आगे बढ़ रही है। उसने कहा कि वह रिलायंस निप्पन लाइफ एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड में अपनी पूरी 42.88 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की प्रक्रिया में है जिसका बाजार मूल्यांकन अभी की कीमत से पांच हजार करोड़ रुपए से अधिक है। कंपनी ने रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की भी घोषणा की। कंपनी ने बयान में कहा कि वह अपने मूल कारोबार की कुछ संपत्तियों को बेचने की प्रक्रिया में है। उसने कहा, ''कंपनी को इन बिक्रियों से कम से कम 10 हजार करोड़ रुपए मिलने का अनुमान है। इससे चालू वित्त वर्ष में कुल कर्ज 50 प्रतिशत से

अधिक कम हो जाएगा। कंपनी ने रेटिंग एजेंसी केयर से भी असहमति व्यक्त की। केयर ने हाल ही में कंपनी के दीर्घकालिक ऋणपत्र कार्यक्रम, बाजार से जुड़े डिबेंचर और सबऑर्डिनेटेड डिबेंचर की रेटिंग कम कर दी थी।

एस्सार स्टील को ऋण शोधन समाधान अवधि में 4,229 करोड़ रुपए का परिचालन लाभ

नई दिल्ली(एजेंसी)।

कर्ज में डूबी एस्सार स्टील को कंपनी ऋण शोधन अक्षमता समाधान अवधि (600 दिन से अधिक) के दौरान परिचालन में ब्याज, कर, मूल्य ह्रास और एमोर्टाइजेशन के प्रावधान करने से पहले 4,229 करोड़ रुपए का लाभ हुआ। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने पिछले सप्ताह एक हलफनामे में कहा कि उसके समाधान पेशेवर ने सूचना दी है कि अगस्त 2017 से फरवरी 2019 के बीच परिचालन से 4,000 करोड़ रुपए का लाभ हुआ है। इसके अलावा सूचना के अनुसार इस साल मार्च में परिचालन से 229 करोड़ रुपए का लाभ दर्ज किया गया है। अपीलीय न्यायाधिकरण के निर्देश पर यह हलफनामा दायर किया गया है। न्यायाधिकरण ने 7 मई 2019 को एस्सार स्टील के पेशेवर को कंपनी की ऋण शोधन अक्षमता संहिता के तहत परिचालन लाभ के बारे में ब्योरा देने को कहा गया है। हालांकि हलफनामा में कहा गया है कि एक अप्रैल 2019 से अबतक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ऋण शोधन अक्षमता और दिवाला संहिता 2016 की धारा 7 के तहत आवेदन स्वीकार होने के बाद एस्सार स्टील की समाधान प्रक्रिया दो अगस्त 2017 को शुरू हुई। कर्जदाताओं की समिति ने इस्पात क्षेत्र की दिग्गज कंपनी आर्सेलर मित्तल की 42,000 करोड़ रुपए की अधिग्रहण योजना के पक्ष में मतदान किया। बाद में एनसीएलटी ने भी समाधान योजना को मंजूरी दे दी।

सोना 85 रुपए लुढ़का, चांदी 570 रुपए सस्ती

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर दोनों कीमती धातुओं के दाम में रही गिरावट के बीच घरेलू जेवराती ग्राहकी घटने से बीते सप्ताह दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 85 रुपए की साप्ताहिक गिरावट में 32,870 रुपए प्रति दस ग्राम पर आ गया। इस बीच औद्योगिक मांग कमजोर पड़ने से चांदी भी 570 रुपए उतरकर 37,600 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई। बाजार विश्लेषकों के मुताबिक दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर की मजबूती से सोने की मांग पर विपरीत असर पड़ा। लंदन एवं न्यूयॉर्क से मिली जानकारी के अनुसार, वहां सोना हाजिर गत सप्ताह 8.50 डॉलर की साप्ताहिक गिरावट के साथ शुक्रवार को 1,277.25 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। जून का अमेरिकी सोना वायदा भी 9.40 डॉलर की गिरावट में सप्ताहांत पर 1,277.40 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। सोने की तरह अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी भी 0.19 डॉलर उतरकर 14.55 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई। वैश्विक दबाव और स्थानीय मांग की सुस्ती से आलोच्य सप्ताह के दौरान सोना स्टैंडर्ड 85 रुपए की गिरावट में 32,870 रुपए प्रति दस ग्राम पर आ गया। सोना बिटुर भी इतनी ही गिरावट के साथ 32,700 रुपए प्रति दस ग्राम पर आ गया। आठ ग्राम वाली गिन्नी हालांकि 100 रुपए की तेजी में 26,500 रुपए पर पहुंच गई। विदेशों के अनुरूप दिल्ली सर्राफा बाजार में भी चांदी में गिरावट रही। चांदी हाजिर 570 रुपए उतरकर 37,600 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई। चांदी वायदा 445 रुपए की साप्ताहिक गिरावट में सप्ताहांत पर 36,580 रुपए प्रति किलोग्राम बोली गई। सिक्का लिवाली और बिकवाली क्रमशः 79 हजार और 80 हजार रुपए प्रति सैकड़ा पर टिके रहे।

विदेशी मुद्रा भंडार एक साल से अधिक के उच्चतम स्तर पर

मुंबई । देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार तीसरी साप्ताहिक वृद्धि दर्ज करता हुआ 10 मई को समाप्त सप्ताह में 1.37 अरब डॉलर बढ़कर एक साल से अधिक के उच्चतम स्तर 420.05 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले तीन मई को समाप्त सप्ताह में यह 17.19 करोड़ डॉलर बढ़कर 418.68 अरब डॉलर पर और 26 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में यह 4.37 अरब डॉलर बढ़कर 418.51 अरब डॉलर पर रहा था। इस बार विदेशी मुद्रा भंडार 1.37 अरब डॉलर बढ़कर 27 अप्रैल 2018 के बाद के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इस बार विदेशी मुद्रा भंडार 1.37 अरब डॉलर बढ़कर 27 अप्रैल 2018 के बाद के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आँकड़ों के अनुसार, 10 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.36 अरब डॉलर बढ़कर 392.23 अरब डॉलर पर पहुँच गया। इस दौरान स्वर्ण भंडार 23.02 अरब डॉलर स्थिर रहा। आलोच्य सप्ताह में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 70 लाख डॉलर बढ़कर 3.35 अरब डॉलर और विशेष आहरण अधिकार 30 लाख डॉलर की बढ़त के साथ 1.45 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

संक्षिप्त समाचार

सीआरपीएल ने दिल्ली-एनसीआर में मैकडॉनल्ड्स के 13 स्टोर फिर से खोले

नई दिल्ली। उत्तरी और पूर्वी भारत में मैकडॉनल्ड्स रेस्त्रां चलाने वाली कनॉट प्लाजा रेस्टोरेंट प्राइवेट लिमिटेड (सीआरपीएल) ने दिल्ली-एनसीआर में अपने 13 रेस्तरां फिर चालू कर दिए हैं। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी। मैकडॉनल्ड्स की अब पूर्ण स्वामित्व वाली सीआरपीएल ने पुराने भागीदार विक्रम बख्शी के साथ विवादों के बीच 160 रेस्त्रां बंद कर दिए थे। दोनों पक्षों में अदालत से बाहर सुलह के बाद ये रेस्त्रां फिर चालू किए जा रहे हैं। सुलह की घोषणा 9 मई को की गई थी। मैकडॉनल्ड्स इंडिया ने बयान जारी कर कहा कि उत्तर और पूर्वी क्षेत्र के सभी रेस्तरां बंद रहेंगे लेकिन कंपनी की उनमें से कुछ को आने वाले दिनों और हफ्तों में फिर से खोलने की योजना है। सीआरपीएल के प्रमुख रॉब हुंगनफू ने कहा कि दिल्ली में 13 रेस्तरां को कारोबार के लिए खोल दिया गया है और वह इस बात को लेकर आशान्वित हैं कि ग्राहकों को मैकडी की अधिक विश्वसनीय सेवा मिल सकेगी।

जेट एयरवेज के भविष्य का फैसला एक सप्ताह में संभवः एसबीआई चेयरमैन

नई दिल्ली। वित्तीय संकट के कारण अस्थाई तौर पर परिचालन बंद कर चुकी एयरलाइन जेट एयरवेज के भविष्य को लेकर उद्योग के कुछ अनुभवी लोगों को इसके दोबारा पटरी पर लौटने की उम्मीद धूमिल लग रही है लेकिन भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के अध्यक्ष रजनीश कुमार आशावादी हैं और उनका कहना है कि एक सप्ताह के भीतर तस्वीर साफ हो जाएगी। एसबीआई प्रमुख ने शनिवार को बताया, विभिन्न विकल्पों का मूल्यांकन किया जा रहा है। कानूनी राय भी ली जा रही है। कई निवेशकों ने दिलचस्पी दिखाई है। हमें यह देखना है कि क्या उनके पास पैसे व साधन हैं। मेरा मानना है कि एक सप्ताह के भीतर तस्वीर साफ हो जाएगी। उनसे जब यह पूछा गया कि क्या ये निवेशक उनसे अलग हैं, जिन्होंने अनपेक्षित पेशकश की थी, तो कुमार ने कहा कि कुछ हैं लेकिन उनकी गंभीरता परखनी होगी। एसबीआई की अगुवाई में जेट एयरवेज के ऋणदाता इस समय अपने 8,400 करोड़ रुपए के बकाए की वसूली के लिए एयरलाइन बेचने की प्रक्रिया में जुटे हैं। बोलीदाताओं के रूप में प्राइवेट इक्विटी फर्म टीपीजी कैपिटल, इंडिगो पाटर्नर्स, नैशनल इन्वेस्टमेंट ऐंड इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड (एनआईआईएफ) और एतिहाद एयरवेज की संक्षिप्त सूची बनाई गई है। आबू धावी की विमानन कंपनी एतिहाद एयरवेज इस समय जेट एयरवेज में 24 फीसदी की हिस्सेदारी है। इस समय जेट एयरवेज की खरीदने की रेस में एतिहाद एयरवेज अकेली कंपनी बची है। जानकारों का कहना है कि बैंकों के समूह को एतिहाद एयरवेज की निविदा ज्यादा लुभा नहीं पाई है। एतिहाद एयरवेज ने बंद पड़ी जेट एयरवेज में 1700 करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव दिया है जबकि कंपनी को उबारने के लिए 15 हजार करोड़ रुपए की जरूरत है। इसके अलावा एतिहाद एयरवेज ने 26 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी होने पर ओपन ऑफर लाने वाली शर्त को भी छूट देने की मांग की है।

चंदा कोचर व पति की परेशानी बढ़ा सकते हैं 20 सवाल

नई दिल्ली । आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ व प्रबंध निदेशक चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर ईडी द्वारा उनसे पूछे गए 100 सवालों में से 20 सवालों के संतोषप्रद जवाब देने में विफल रहे। जांच एजेंसी के सूत्रों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तहकीकात में 13 मई से लेकर अगले पांच दिनों तक 60 घंटे से अधिक समय तक की गई पूछताछ के दौरान उनसे 100 सवाल किए गए, जिनमें से 20 सवालों के संतोषप्रद जवाब देने में वे विफल रहे। ईडी वीडियोकॉन के 1,875 करोड़ रुपये के मामले में कोचर दंपति से पूछताछ कर रही है। मामला वर्ष 2009 और 2011 के दौरान आईसीआईसीआई बैंक द्वारा वीडियोकॉन समूह को कर्ज की राशि को मंजूरी प्रदान करने में बरती गई कथित अनियमितता से जुड़ा है। एजेंसी के सूत्रों ने बताया कि दिल्ली के खान मार्केट स्थित ईडी मुख्यालय में दंपति से की गई पूछताछ के दौरान वे 20 सवालों के अपने जवाब के पक्ष में प्रामाणिक सबूत पेश नहीं कर पाए। कोचर दंपति से 13 मई से लेकर अगले पांच दिनों तक पूछताछ की गई, जिस दौरान उन्हें अपनी बात साबित करने के लिए दस्तावेज पेश करने को कहा गया। उनका कहना था कि उनके खिलाफ आरोप झूठे हैं। सूत्रों ने बताया कि कई सवालों के जवाब में कोचर दंपति ने दस्तावेज पेश किए, जिसके बाद जांचकर्ताओं ने उन बिंदुओं पर और संदेह नहीं किया, लेकिन 100 में से 20 सवालों को उन्होंने अस्पष्ट जवाब दिए। ज्यादातर सवाल कोचर परिवार ईडी ने चंदा कोचर से 10 मुख्य सवाल किए जिनमें से एक सवाल यह किया गया कि जब कंपनी की ओर से आईसीआईसीआई बैंक के पास पहली बार जून 2009 में कर्ज का प्रस्ताव आया, तब क्या उनको अपने पति के वीडियोकॉन के अध्यक्ष वेणुगोपाल धूत के साथ संयुक्त उपक्रम के बारे में पता था? ।

यूरोपियन देशों के साथ जापान और आस्ट्रेलिया जैसे बाजारों में अपनी पैठ जमाएगी टीसीएस

नई दिल्ली(एजेंसी)।

भारत की सबसे बड़ी आईटी फर्म टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) यूरोप, जापान, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया जैसे बाजारों में अपनी पैठ जमाने की तैयारी में है। कंपनी के ग्लोबल हैड कृष्णन रामानुजम का कहना है कि बड़े बाजारों में कंपनी की ग्रोथ सिंगल डिजिट तक ही सीमित है। उनका मानना है कि कंपनी बड़े बाजारों में जब चुनौती पेश करेगी, तभी उसकी ग्रोथ बढ़ेगी। भारत, लैटिन अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका जैसे बाजारों से भी कंपनी को काफी उम्मीदें हैं। ये तीनों देश आईटी ग्रोथ के मामले में काफी पीछे हैं। टीसीएस के कुल राजस्व का 53त्न हिस्सा अमेरिका से आता है। दूसरे नंबर पर यूरोपियन देश हैं। यहां से कंपनी को 29.7त्न राजस्व मिलता है। जबकि भारत से उसे सालाना 5.7त्न राजस्व ही मिल पाता है। कंपनी अपनी ग्रोथ को तेज करने के लिए नए प्रोडक्ट और प्लेटफार्म लॉन्च करने की तैयारी में है। पिछले साल टीसीएस ने बिजनेस 4.0 स्ट्रेटजी की शुरुआत की थी। वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान टीसीएस का शुद्ध लाभ 31 हजार 562 करोड़ रुपए का रहा। इस दौरान उसे 1.46 लाख करोड़ का राजस्व हासिल हुआ था। टीसीएस की कुल मार्केट वेल्यू 20 अरब डॉलर से ज्यादा आंकी गई है। कंपनी के सीओओ एनजी सुब्रमण्यम का कहना है कि जब भी कोई मील का पत्थर पार होता है, टीसीएस और ज्यादा ताकतवर हो जाती है। उनका कहना है कि कंपनी की 24वीं सालाना जनरल मीटिंग मुंबई में 13 जून को होगी। इसमें कंपनी के विस्तार की योजना बनाई जाएगी। 2018 में टीसीएस 100 अरब डॉलर के क्लब में शामिल होने वाली भारत की पहली कंपनी बनी थी। इसके अलावा टीसीएस देश की पहली ऐसी कंपनी बन गई है, जिसका मार्केट कैप 7 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा है। इस दौरान बीएसई पर कंपनी के शेयरों में 1.49त्न की बढ़ोतरी देखने को मिली। टीसीएस के एक शेयर का भाव भी 3658.45 रुपये पर पहुंच गया।

घायल महेन्द्र की महावीर ट्रोमा में उपचार के दौरान मृत्यु

सूरत। रविवार सूरत शहर के वराछा पुलिस स्टेशन विस्तार के वराछा कोहीनुर रोड़ जी.के. चैम्बर्स के आगे तारीख 15-5-2019 को रात लगभग 8.30 बजे महेन्द्र भाई रोड़ पर जा रहा था कि एक अज्ञात मोटर साइकल नं. जी.जे 05 एच.जी 0625 पर आकर महेन्द्र को जोरदार टक्कर मारी और नीचे गिरे महेन्द्र की छाती के भाग में मूंछ मार मार कर फरार हो गया इस आशय की फरियाद महेन्द्र के मामला लीला राम भूरा जी चौधरी 24 धन्धा व्यापार निवासी 11/बी मारुति चैम्पर्स उमियाधाम रोड़ वराछा सूरत मूल निवासी केरा बोस्टा गाम ता. बोस्टा जिला जालोर राजस्थान ने दर्ज करायी है। पहले तो महेन्द्र को उपचार ह`तु डायमन्ड हास्पिटल में भर्ती किया गया बाद में अधिक उपचार हेतु महावीर ट्रोमा हास्पिटल में भर्ती किया गया जहां उपचार के दौरान ही ता. 18-5-2019 को लगभग 00.40 बजे मृत्यु हो गई।

वराछा पुलिस ने अपराध वराछा पु.स्टे. गु.र.नं. 229/2019 इ.पी.को कलम 279,337,304 (ए) तथा एम.वी. एक्ट कलम 177 184 के तहत दर्ज कर जांच की कार्यवाही शुरु कर दी है। मामले की जांच पी.एस.आई. एम.एन.कातरिया कर रहे है।

राज्य में तीन दिन में भारी आंधी के साथ बारिश की संभावना

अहमदाबाद । राज्य में पिछले दो-तीन दिन में हवामान में अचान बदलाव होने से बारिश के मौसम के बीच आज हवामान विभाग ने आगाही की थी की राज्य में अभी भी तीन दिन कुछ क्षेत्रों में भारी आंधी और बारिश होने की संभावना है। खास कर के उत्तर गुजरात, सौराष्ट्र-कच्छ सहित के क्षेत्रो में तीन दिन ३० से ४० किलोमीटर की रफ्तार से आंधी आएगी। सौराष्ट्र क्षेत्र के काफी जगह पर भारी बारिश होने की संभावना है। राजस्थान में पैदा हुए वेस्टर्न डिस्टर्बन्स और हवा के दवाब में दर्ज हुए परिवर्तन की वजह से गुजरात राज्य के कुछ क्षेत्रों में मौसम में रविवार को लगातार दबदलाव दर्ज किया गया।

कापोद्रा पुलिस स्टेशन विस्तार के साईनाथ सोसाइटी में युवक का पैर फ्रेक्कर किया

सूरत। रविवार सूरत के कापोद्रा पुलिस स्टेशन विस्तार के साईनाथ सोसाइटी के सामने शाक भांजी लेते समय राजकुमार जोखन राम केवल के साथ गुड्डु नामक युवक ने लकड़ी के फटके से घुंटणे पर वार कर पैर ही तोड़ दिया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार फरियादी रेनुबेन राजकुमार केवट पत्नी राजकुमार जोखनराम केवट 30 धन्धा घरकाम निवासी प्लेट नं. बी/98 शान्तिनिकेतन सो.सा. कमल पार्क 2 कापोद्रा सूरत मूल निवासी उदपुर तालुका बदलापुर जिला जौनपुर (उत्तरप्रदेश) ने कापोद्रा पुलिस स्टेशन में फरियाद दी है कि ता. 17-5-2019 को रात 19.00 के आस पास राजकुमार साइनाथ सोसाइटी के सामने शाक भांजी ले रहा था तभी गुड्डु नामक व्यक्ति जिसके साथ पहले भी झगड़ा हुआ था, ने घटना वाली जगह आकर राजकुमार के साथ गाली गलौज करने लगे। राजकुमार ने जब गाली गलौज करने से रोका तो गुड्डु ने उत्तेजित होकर लकड़ी के फटके से घुटने पर मार कर फ्रेक्कर कर दिया और वहां से भाग निकला। पुलिस ने अपराध कापोद्रा पु.स्टे. गु.र.नं. 108/2019 इ.पी.को कलम 323, 324,294,(बी) तथा जी.पी.एक्ट कलम 135 के तहत केस दर्ज कर जांच की कार्यवाही प्रो.पो.स. इं. डी.के. चोसला कर रहे है।

खटोदरा पुलिस स्टेशन विस्तार के भीमराड़ केनाल रोड़ पर चेन की लूट

सूरत। रविवार को सूरत शहर विस्तार के खटोदरा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में ता. 18-5-2019 को सांय लगभग 6 बजे अज्ञात चोरों ने महिला के गले से भीमराड़ केनाल रोड़ पर स्थित डी.पी.पटेल स्पोर्टस ग्राउंड के गेट के पास जाहेर रोड पर लगभग 1.5 तोले की चेन लूट कर फरार हो गए।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इन्दिराबेन महेद्र भाई अम्बालाल पटेल की विधवा 60 वर्ष, धन्धा घरकाम गत रोज सांय लगभग 6 बजे भीमराड़ केनाल रोड़ स्थित डी.बी.पटेल स्पोर्ट ग्राउंड गेट के पास रोड़ पर जा रही थी कि एक काला कलर मोटर साइकल पर सवार दो अज्ञात व्यक्ति उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष शरीर मध्यम कद का आये और मोटर साइकल रोके पीछे बैठे सफेद शर्ट धारी व्यक्ति ने महिला के गले से लगभग 15 ग्राम जिसकी कीमत 35,000 की सोने की चेन खीच ली और मोटर साइकल से फरार हो गए जिसकी फरियाद पुलिस ने खटोदरा पु.स्टे. गु.र.नं. 171/2019 इ.पी.को. कलम 394 के तहत दर्ज कर जांच कार्यवाही शुरु कर दी है। मामले की जांच पी.एस.आई.बी.पी पटेल कर रहे है।

कोंगी प्रत्याशी कथगरा के पुत्र की कल मौत हुई थी

कथगरा के पुत्र की अंतिम यात्रा में सीएम सहित के लोंग जुड़े

भगवान उनकी आत्मा को शांति दे और परिवार को इस दु:ख झेलने की शक्ति भी दे : मुख्यमंत्री विजय रुपाणी

अहमदाबाद, १९ मई।

मोरबी जिले की टंकारा विधानसभा सीट के कांग्रेसी विधायक और राजकोट लोकसभा सीट के कांग्रेस के उम्मीदवार ललित कगथरा के पुत्र विशाल की अंतिमयात्रा आज निकली थी। ललित कगथरा के निवासस्थान से निकली पुत्र विशाल की अंतिमयात्रा में गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी और विधानसभा के विपक्ष नेता परेश धानाणी के सहित भाजप-कांग्रेस के नेता और स्थानिक लोग भारी संख्या में जुड़े थे। कल पश्चिम बंगाल में दिव्यांग बच्चो को लेकर प्रवास में गये ललित कथगरा के पुत्र की भीषण दुर्घटना में मौत हो गई थी। : मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने कहा था कि भगवान उनकी आत्मा को शांति दे और परिवार को इस दु:ख झेलने की शक्ति दे।

उन्होंने आगे कहा कि ललितभाई और इलाबहन पर दु:ख के बादल गिरे हो ऐसी घटना घटी है। ललितभाई और इलाबहन के साथ मेरा पुराना पारिवारिक संबंध है। मोरबी जिले की टंकारा विधानसभा सीट के कांग्रेसी विधायक और राजकोट लोकसभा सीट के कांग्रेस के उम्मीदवार ललित कगथरा के पुत्र विशाल का पश्चिम बंगाल के बहेरामपुर में एक भीषण दुर्घटना में मौत हुई थी, जबकि दूसरा पुत्र रवि घायल हो गया है। पुत्र की मौत होने की वजह से कांग्रेस के विधायक कगथरा के परिवार में शोक का माहौल फैल गया था। कोलकता से वोल्वो बस में ललित कगथरा के पुत्र विशाल सहित तीन कपल बहेरामपुर की तरफ आ रहे थे, तब ट्रक और वोल्वो बस के बीच दुर्घटना होने पर विशाल कगथरा की मौत हुई थी। ललित कगथरा का पुत्र विशाल बस में बैठा था तब इसका मुंह बस की खिड़की से बाहर था, इस दौरान रोड पर से जा रहे ट्रक के साथ उनका सिर टकराने से हेमरेज होने पर घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी।

देशी तथा विदेशी दारुके साथ बुटलेगर सुमन भाई शरद भाई राठोड़ सचिन पुलिस द्वारा गिरफ्तार

सूरत। रविवार को सूरत शहर के सचिन पुलिस स्टेशन विस्तार में मौजे गाम वक्ताणा तालुका चोर्यासी जिला सूरत के हलपति वास के छब्बीस गाला मुहल्ले में आरोपी के घर के पीछे गन्ने के खेत में से सचिन पुलिस ने देशी एवं विदेशी दारू की बोटलों के अतिरिक्त विचार की टीन के साथ छापामारकर मुद्दा माल जब्त करने के साथ सुमन भाई शरद भाई राठोर को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार सुमन भाई शरद भाई राठोड़ 40 वर्ष निवासी छब्बीस गाला मुहल्ला, हलपति वास मौजे गाम वक्ताणा ता. चौर्यासी जिला सूरत के घर के पीछे गन्ने के खेतों में छुपाकर रखा हुआ भारतीय एवं विदेशी वनावट के 253 नग तथा वीयर के टीन मिलाकर कुल कीमत 44,680 तथा अंगझड़ती में मिला दारु विक्री का नकद 3580 तथा मोबाइल नग 1 कीमत 2000 मिलाकर कुल कीमत 50,250 नकद के साथ उपरोक्त सुमन भाई शरद भाई राठोड़ को गिरफ्तार किया है। सह आरोपी अश्विन उर्फ कालियों धीरुभाई ढोडिया पटेल को वान्टेड़ जाहेर किया है। मामले की ता. 18-5-2019 में लगभग 5 बजे छापा मारने के बाद फरियाद सचिन पु.स्टे. गु. र. न. 746/2019 प्रेहिवशन एक्ट के तहत दर्ज कर जांच स्वंय पी.आई. एम.बी मछार कर रहे है।

घटना से सफाई कर्मचारियों में भारी रोष

ओढव में जल संयत्र की सफाई के दौरान चार व्यक्ति की मौत

निजी ठेकेदार ने कर्मचारियों को सफाई से पूर्व सुरक्षा उपकरण मुहैया कराये थे की नहीं इस पर पुलिस जांच

अहमदाबाद । गुज रात के अहमदाबाद शहर में एक जल पंपिंग स्टेशन की सफाई के दौरान विषाक्त गैस के संपर्क में आने के कारण चार सफाई कर्मचारियों की मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ओधव इलाके में शनिवार देर रात हादसा उस समय हुआ जब एक कर्मचारी सरकारी अंबिकानगर पंपिंग स्टेशन के कुएं में जा गिरा और विषाक्त गैस के कारण बेहोश हो गया। ओढव पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने बताया कि इसके बाद तीन कर्मचारी उसकी मदद के लिए नीचे उतरे लेकिन वे भी विषाक्त गैस के संपर्क में आ गये और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पीड़ित की पहचान सर्वजीत (२५), सुनील (२५), राजीव चौहान (३८) और लालसिंह मारवाडी (२६) के रूप में की गई है। अधिकारी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है और दुर्घटनावश मौत का एक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस जांच कर रही है कि निजी ठेकेदार ने तो लापरवाही नहीं की और क्या सफाई कर्मचारियों को सफाई से पूर्व सुरक्षा उपकरण मुहैया कराये गये थे की नहीं। एक ही साथ चार सफाइ कर्मचारियों की मौत से रोष की लागणी फैल गई थी। उन्होंने बताया कि पीड़ित की पहचान सर्वजीत (२५), सुनील (२५), राजीव चौहान (३८) और लालसिंह मारवाडी (२६) के रूप में की गई है। अधिकारी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है और दुर्घटनावश मौत का एक मामला दर्ज किया गया है।ऐसी घटनाएं सफाई के दौरान सामने आ रही है तब घटना में जवाबदार खानगी कोन्ट्राक्टर के विरुद्ध योग्य कार्रवाई करने की मांग सफाई कर्मचारियों के द्वारा की गई है। विवाद को देखते हुए अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन सत्ताधिशों ने भी समग्र मामले में योग्य कार्रवाई करने की बात की है।

पानी बर्बाद करने पर २५० से ५०० रुपये का जुर्माना

वड़ोदरा । गुजरात में दाहोद शहर के नगर निकाय ने पानी बर्बाद करने वालों पर जुर्माना लगाने का फैसला किया है। गुजरात के बहुत से इलाके इस समय भयानक सूखे का सामना कर रहे हैं। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि करीब १६० किलोमीटर दूर स्थित दाहोद पानी की किल्लत का सामना कर रहा है। शहर को जलापूर्ति करने वाले कडाणा बांध और पाटा डूंगरी नहर में जल का स्तर काफी गिरा है। दाहोद नगर निकाय के जलापूर्ति समिति के प्रमुख लखन राजगोर ने जानकारी दी कि शहर में फिलहाल पेय जल की आपूर्ति एक दिन छोड़कर की जा रही है।

उन्होंने कहा कि पानी की किल्लत के मद्देजनर जो लोग पानी को बर्बाद करते हुए पाए जाएंगे, उन पर २५० से ५०० रुपये तक जुर्माना लगाया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**